AMAR BHARTI GROUP OF PUBLICATIONS

आगरा अमर भारती City

एक उम्मीद

सोमवार, 31 दिसम्बर 2018

सुप्रभात

एक सफल व्यक्ति बनने की कोशिश मत करो, बल्कि मूल्यों पर चलने वाले व्यक्ति बनो: अल्बर्ट आइन्स्टाइन

तापमान 03

अधिकतम	न्यूनतम
21°	06°

सूर्योदय-	07: 06	प्रातः
सूर्यास्त-	05: 31	सायं

अनुमति न मिलने से संजलि प्रकरण में महापंचायत टली, शोक सभा

अनुपस्थित विधायक डॉ. धर्मेश के लिए खरी-खरी

- संजलि और योगेश के लिए मांगा शासन से एक-एक करोड़ का मुआवजा
- एक-एक सदस्य को नौकरी दी जाए, सीबीआई से हो प्रकरण की जांच

अमर भारती संवाददाता

आगरा। लोमहर्षक संजलि हत्याकांड में पुलिस के खुलासे पर सवाल उठाने वालों की महापंचायत कराने की मंशा पूरी नहीं हो सकी। प्रशासन ने जीआईसी मैदान में महापंचायत करने की अनुमति ही नहीं दी। इस पर रातों-रात महासभा शोक सभा में परिवर्तित हो गई। बिजलीघर स्थित चक्कीपाट पर जुटे आम्बेडकर अनुयाइयों ने शोक सभा की और मृतक संजलि और योगेश के परिवारों को एक-एक करोड़ रुपए की आर्थिक मदद की मांग की। मामले की सीबीआई से जांच कराने की भी मांग की गई। आरोप लगाया गया कि पुलिस ने योगेश को हिरासत में लेकर यातनाएं दीं, इसी कारण दुःखी होकर उसने आत्महत्या कर ली। शोक सभा में सियासी रंग भी देखने को मिला। अनुपस्थित रहे भाजपा विधायक डा. जीएस धर्मेश वक्ताओं के निशाने पर आ गए। उनकी आलोचना की गई।

उल्लेखनीय है कि तीन दिन पूर्व संजलि हत्याकांड न्याय मोर्चा गठित किया गया था। इसके साथ ही ऐलान किया गया था कि रविवार को जीआईसी मैदान में महापंचायत की जाएगी। जीआईसी मैदान में महापंचायत के लिए प्रशासन से अनुमति मांगी गई थी, लेकिन प्रशासन ने कानून व्यवस्था का मामला बताकर महापंचायत की अनुमति नहीं दी। इसके बाद गत दिवस ही सोशल मीडिया के

संजलि हत्याकांड के पुलिस खुलासे पर सवाल उठाने के लिए रविवार को चक्कीपाट (बिजलीघर) पर हुई शोकसभा मे मौन रखकर श्रद्धांजलि देते आम्बेडकर अनुयायी *फोटो: अमर भारती*

जरिए अनुमति न मिलने के बाद कहकर चक्कीपाट (बिजलीघर) पर संजलि को शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए बुला लिया गया। महापंचायत की जगह शोक सभा हुई। संजलि और योगेश के परिवारों के लिए एक-एक करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग की गई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले का गलत खुलासा किया है। लाल मोटरसाइकिल की जगह सफेद और काली मोटरसाइकिलें वारदात में शामिल होना बताया गया।

पुलिस की जांच पर सवाल उठाते-उठाते शोक सभा में मौहाल भाजपा विधायक डा. जीएस धर्मेश की आलोचना तक पहुंच गया। कहा गया कि स्वजातीय होने के बाद संजलि को न्याय दिलाने के मामले में विधायक डा. धर्मेश सामने नहीं आए।

शोक सभा में संजलि के माता-पिता के साथ-साथ भाई-बहन भी पहुंचे थे। उन्होंने हाथ जोड़कर सभा का सहयोग के लिए आभार जताया। भीम नगरी आयोजन समिति के भरत सिंह ने कहा कि महापंचायत जीआईसी में कराने के लिए अनुमति नहीं दी गई थी, इसी कारण चक्कीपाट पर वे लोग एकत्रित हुए।

शोक सभा में अनिल सोनी, कुंवरचंद्र वकील, बसपा लोकसभा प्रभारी मनोज सोनी, सिद्धार्थजी कर्दम, राजेंद्र कर्दम एड. सिकंदर बौद्ध, पूर्व विधायक कालीचरण सुमन, रामवीर कर्दम, राजकुमार सिंह एड., दिनेश चंद्र गौतम, सतीश भास्कर, सुनील कुमार, नाहर सिंह आदि मौजूद थे।

दूर हुई पुलिस-प्रशासन की चिंता

संजलि हत्याकांड न्याय मोर्चा की तरफ से बुलाई गई महापंचायत न होने पर पुलिस, प्रशासन के अधिकारियों ने राहत की सांस महसूस की। मोर्चा के सदस्य महापंचायत के लिए अनुमति चाहते थे। लेकिन यह अनुमति नहीं दी गई। प्रशासन का कहना था कि महापंचायत से कानून व्यवस्था की स्थिति खराब हो सकती है। अनुमति न देने के साथ-साथ पुलिस का खुफिया तंत्र भी यह जानने के लिए सक्रिय रहा कि मोर्चा गठित करने वालों की क्या गतिविधियां चल रही हैं। इस बात पर नजर रखी गई कि माहौल बिगाड़ने के प्रयास न हों। सोशल मीडिया पर किस तरह के संदेशों का आदान-प्रदान हो रहा है, इस बात पर भी पैनी नजर रखी गई।

ज्वैलर्स को चेक के जरिए लगा दिया साढ़े तेरह लाख का चूना

- शोरूम पर आकर खरीद लिए कीमती आभूषण, दिए चेक
- बैंक में प्रस्तुत करने पर रकम ही न होने से हो गए बाउंस
- तकादा करने पर धमकियां, एसपी के आदेश पर मुकदमा

अमर भारती संवाददाता

आगरा। एक सर्राफा व्यवस्था को आभूषण खरीदने के नाम पर मोटा चूना लगा दिया गया। साढ़े तेरह लाख से अधिक की आभूषण लेकर बदले में चेक दे दिए गए। खाते में रकम ही नहीं थी, इस कारण चेक बाउंस हो गए। जब रकम का तकादा किया गया तो धमकियां दी जाने लगी। इतना ही नहीं इस मामले में पुलिस से उल्टा शिकायत भी कर दी गई। जांच में सही स्थिति सामने आने के बाद एसपी सिटी प्रशांत कुमार के निर्देश पर इस मामले में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

बता दें कि गत दिवस सर्राफा व्यवसाइयों का एक प्रतिनिधिमंडल एसपी सिटी प्रशांत कुमार से मिला था। उन्हें बताया कि किस तरह से छवि ज्वैलर्स के स्वामी केशव अग्रवाल को एक व्यक्ति ने 13.60 लाख का चूना लगा दिया है। रुपए मांगने पर उल्टा पुलिस से शिकायत कर दी गई। एसपी सिटी के निर्देश पर जांच में शिकायत सही पाई गई। थाना न्यू आगरा पुलिस ने सदरवन (बिचपुरी) निवासी विवेक पाठक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सर्राफा व्यवसाई ने पुलिस को बताया कि ज्वेलरी लेने के बाद विवेक पाठक ने अलग-अलग रकम के तीन चेक दिए थे। लेकिन चेक बैंक ने रकम न होने पर बाउंस घोषित कर दिए। व्यवसाई का कहना है कि उसने भरोसा करके जेवरों की कीमत के चेक ले लिए थे। उन्हें नहीं पता था कि जेवर ले जाने वाले के मन में खोट है। उनका कहना है कि इस मामले में उल्टा उन्हें फंसाने के लिए पुलिस से झूटी शिकायत कर दी गई थी। पुलिस के अनुसार इस मामले में जांच-पड़ताल के बाद आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

राजू हत्याकांड में पुलिस की यह कैसी विवेचना?

चश्मदीद मां के नहीं लिए बयान

- दुखी विधवा ने एसएसपी को अपनी व्यथा बता मांगा इंसाफ
- दरोगा अनुज के अलावा और लोगों ने भी दी थीं उसे यातनाएं

अमर भारती संवाददाता

आगरा। लगभग 38 दिन पहले हुई राजू गुप्ता की हत्या में पुलिस की ढिलाई से विधवा मां रेनूबाला बुरी तरह से आहत हैं। उन्हें यह नहीं समझ में आ रहा है कि पुलिस की यह कैसी विवेचना है कि अभी तक उनके बयान तक दर्ज नहीं किए गए हैं। जिस समय राजू गुप्ता को थाना सिकंदरा परिसर में यातनाएं दी जा रही थीं, उस समय वह भी वहां मौजूद थीं। उनके सामने ही राजू गुप्ता की कमीज उतरवाकर उसे पुलिसवालों ने बुरी तरह से पीटा था। पीड़ित मां की व्यथा यह है कि इस पूरे मामले में यातनाएं देने वाला दरोगा अनुज सिरोही नहीं था और भी पुलिस वाले इसमें शामिल थे। अन्य आरोपी पुलिस को और पीटने के लिए उकसा रहे थे। अपनी व्यथा व्यक्त करते-करते विधवा मां फफक-फफक कर रोने लगती हैं। एसएसपी अमित पाठक उनकी बातें सुनकर द्रवित हो गए थे। उन्होंने कहा है कि वे खुद पर्यवेक्षण करेंगे कि पुलिस की विवेचना किस प्रकार चल रही है।

पिछले माह 22 नवंबर को राजू गुप्ता को उसके पड़ोसी गैलाना रोड निवासी अंशुल प्रताप सिंह, विवेक परिहार के कहने पर पुलिस ने पकड़ा था। उसकी मां को भी मौके से पुलिस साथ ले गई थी। राजू गुप्ता पर आरोप लगाया जा रहा था कि उसने अंशुल प्रताप के घर से आभूषणों की चोरी की है। पुलिस ने इस दौरान राजू गुप्ता के घर की तलाशी भी ली थी। राजू गुप्ता की मां रेनूबाला का कहना है कि पुलिस को उनके घर की तलाशी लेने के दौरान कुछ रुपए दिखाई दे गए थे। इस पर थाने के कारखास सिपाही ने साथी पुलिसकर्मियों को उकसाया था कि वे राजू को और यातनाएं दें तो उसकी मां पुलिस को रकम देने के लिए तैयार हो जाएंगी। रेनूबाला का कहना है कि राजू गुप्ता को यातनाएं

राजू गुप्ता की मां रेनूबाला

देने में अनुज सिरोही के अलावा अन्य पुलिसकर्मी भी शामिल थे। इस मामले में आज तक उनके बयान दर्ज नहीं किए गए हैं। पहले इस मामले की विवेचना इंसपेक्टर (लोहामंडी) के पास थी, उन्होंने भी कोई बयान नहीं लिए। अब एक सप्ताह से विवेचना क्षेत्राधिकारी (लोहामंडी) चमन कुमार चावड़ा कर रहे हैं, लेकिन उन्होंने भी अभी तक उनके (रेनू बाला) के बयान नहीं दर्ज किए हैं, जबकि वह घटना की चश्मदीद गवाह हैं। दुःखी मां का कहना है कि अन्य दोषी पुलिसकर्मियों के नाम भी खुलने चाहिए। पुलिस ने अभी तक यातनाएं देने वाले पुलिसकर्मियों की पहचान तक उनसे नहीं कराई है।

राजू गुप्ता की मां रेनूबाला वैश्य समाज के प्रतिनिधिमंडल के साथ वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित पाठक से मिली थीं। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व विन अग्रवाल कर रहे थे। एसएसपी ने प्रतिनिधिमंडल को भरोसा दिया कि वे खुद देखेंगे कि पुलिस किस तरह से इस मामले की विवेचना कर रही है। एसएसपी ने विधवा मां से आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पांच दिन का समय मांगा है।

दो संस्कृतियां

एक तरफ पश्चिमी सभ्यता का खुलापन, दूसरी और भारतीय संस्कृति। दोनों संस्कृतियों को एक साथ समझने का मौका मिला फतेहाबाद कस्बे में हुए एक कार्यक्रम में। संस्था ताज फाउंडेशन के कार्यक्रम में अमेरिकी समाजसेवी शॉपी ड्रोलक, उनकी मां सूजी की मौजूदगी छात्राओं के लिए जिज्ञासा का केंद्र रहीं। सेनटेरी नेपकिन को लेकर जागरुकता कार्यक्रम के लिए विदेशी महिलाएं यहां आई हुई हैं *फोटो: अमर भारती*

आज से बेकार हो जाएंगे मैग्नेटिक स्ट्रिप एटीएम

आगरा। अगर आप अभी तक मैग्नेटिक स्ट्रिप वाला एटीएम कार्ड प्रयोग में ला रहे हैं तो जरा सावधान हो जाइए। क्योंकि नववर्ष शुरू होते ही आपका यह कार्ड बेकार हो जाएगा। आप न तो कार्ड से कैश निकाल पाएंगे और न ही शॉपिंग कर सकते हैं। बता दें कि एटीएम कार्डों से हो रही हेराफेरी पर भारतीय रिजर्व बैंक के निर्देशों पर 31 दिसम्बर के बाद मैग्नेटिक स्ट्रिप वाला क्रेडिट और डेबिट कार्ड पूरी तरह से काम करना बंद कर देगा।

सड़क हादसे में युवक की मौत

अमर भारती संवाददाता

आगरा। घर से दवा लेने गये बाइक सवार युवक को ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। रोड पर गुजरने वाले राहगीरों ने घटना की जानकारी पुलिस को मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

सड़क हादसे में मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

थाना बरहन के भैंस गांव का है। शिव अवतार (37) पुत्र बलवीर सिंह निवासी बरहन जामपुर शनिवार शाम को अपनी पत्नी की दवा लेने बाइक से जा रहा था। बाइक पर शिव अवतार के साथ उसका मित्र संदीप भी था जो बाइक को चला रहा था। कस्बे के पास बने रेलवे क्रासिंग फ्लाईओवर पर जलेसर की ओर से आ रहे ईंटों से भरे ट्रक से बाइक की भिड़ंत हो गई, जिसमें शिव अवतार की मौके पर ही मौत हो गई व संदीप गंभीर रूप से घायल हो गया। रोड से होकर गुजरते राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के परिजनों को सूचना दी।

मृतक के परिजनों ने बताया है शिव अवतार सीआरपीएफ में कार्यरत था, लेकिन कुछ दिन पहले गांव आकर खेती करता था। मृतक के दो बच्चे हैं दोनों पिता के शव को देख रो-रोकर बुरा हाल है।

अब तो बच्चों को डांटना तक पड़ रहा भारी

- पढ़ाई के लिए दबाव डालने पर तीन छात्र घर से भाग निकले
- उनकी तलाश में मारे-मारे भटकते रहे परिजन, दिल्ली में मिले
- गनीमत रही उस भले आदमी की, जिसने तीनों को घर भिजवाया

अमर भारती संवाददाता

आगरा। अब बच्चे पहले जैसे बच्चे नहीं रहे। उन्हें यह बर्दाश्त नहीं है कि कोई उन पर दबाव डाले। उन्हें अपनी मस्ती में खलल सहन नहीं हो पाता। किसी अच्छी बात के लिए दबाव डालने पर वे चिड़चिड़ाने लगते हैं। तीन स्कूली बच्चों ने तो हद ही कर दी। परिजनों ने पढ़ाई के लिए दबाव डाला तो स्कूल जाने की कहकर घर से चले आए और भाग निकले। वे ऐसा करके परिजनों को दबाव में लेना चाहते थे, ताकि भविष्य में कोई घर वाला उन पर दबाव न बनाए। उनके रवैये से हर कोई चौंक रहा है।

मामला छत्ता क्षेत्र में स्थित एक स्कूल का है। छठवीं कक्षा में पढ़ने वाले तीन बच्चों ने घर से भागने की योजना तैयार कर ली थी। वे तीनों साथ-साथ स्कूल आया-जाया करते थे। तीन दिन पहले योजना बनाकर स्कूल जाने के लिए घर से निकले, लेकिन स्कूल नहीं पहुंचे। परिजनों को भी उस समय कोई संदेह नहीं हुआ। दोपहर बाद छुट्टी होने के बाद भी जब वे घर नहीं लौटे तो परिजनों को चिंता हुई। परिजन स्कूल पता लगाने गए तो वहां से बताया गया कि तीनों तो स्कूल में अनुपस्थित रहे हैं। इसके बाद परिजनों ने हर संभव स्थान पर उसकी तलाश की। रिश्तेदारों से फोन करके पूछा। कहीं से कुछ पता नहीं चल रहा था। परिजनों की तरफ से पुलिस को भी सूचना दी गई। इसी बीच कई घंटे बाद एक छात्र का फोन उसकी मां के फोन पर आ गया। मां ने उससे पूछा तो उसने कहा कि वह दिल्ली में है। इसके बाद उस बच्चे ने भी फोन काट दिया। परिजनों ने उस नंबर पर फोन किया, जिससे बच्चे ने फोन किया

था। तब पता चला कि यह नंबर दिल्ली में निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के पास का है। फोन सुनने वाले युवक ने बताया कि तीनों बच्चे वहां घूमते हुए मिले थे।

इस पर उसने उन्हें घर लौटने के लिए और घर पर फोन करने के लिए समझाया था। इसी पर एक बच्चे ने घर फोन किया था। बहरहाल उस भले युवक ने तीनों को आगरा भेजने की व्यवस्था की। बच्चे उबैद, अदनान और साहिल घर लौट आए हैं। उन्होंने परिजनों को बताया कि रोज-रोज टोकाटाकी करने से परेशान होकर वे घर से भागे थे। परिजनों, रिश्तेदारों ने उन्हें समझाया कि उनके साथ कुछ बेहद बुरा भी हो सकता था। परिजन और रिश्तेदार बच्चों का दुस्साहस देखकर हैरान-परेशान रह गए।

चंद्रशेखर की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन

अमर भारती संवाददाता

आगरा। भीमआर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद की गिरफ्तारी के विरोध में समर्थकों में भारी आक्रोश है। गुस्साए लोगों ने रविवार को बिजलीघर चौराहे पर महाराष्ट्र सरकार का सांकेतिक पुतला दहन कर रोष जताया है। समर्थकों का कहना है कि महाराष्ट्र सरकार ने चंद्रशेखर की रिहाई नहीं की तो विरोध में जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान भीम आर्मी समर्थकों ने महाराष्ट्र सरकार के विरोध में जमकर नारेबाजी की गई।

महाराष्ट्र सरकार ने भीमा कोरे गांव की घटना की पुनर्रावत्ति को लेकर एतियातन के तौर पर दलित संगठनों व माकपा कार्यकर्ताओं को नजरबंद व गिरफ्तारी की गई है। भीमआर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद भी मुंबई में गिरफ्तार किए गए हैं। चंद्रशेखर की गिरफ्तारी को लेकर समर्थकों में खासा रोष है।

बिजलीघर चौराहे पर सुबह दर्जन भर से अधिक कार्यकर्ता एकत्रित हो गए और महाराष्ट्र सरकार का सांकेतिक पुतला बना लिया। पुतला बनाकर समर्थकों ने उसे फूंक डाला। समर्थकों का

भीमआर्मी समर्थकों ने बिजलीघर चौराहे पर महाराष्ट्र सरकार का फूंका पुतला

बिजलीघर चौराहे पर चंद्रशेखर की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन करते समर्थक *फोटो: अमर भारती*

कहना है कि सरकार असंवैधिक मानसिकता से काम कर रही है। भारतीय संविधान ने सभी को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी है।

सरकार इसपर अंकुश लगाएगी तो उग्र आंदोलन किया जाएगा। इसके लिए चाहे समर्थकों को जेल ही क्यों ना जाना पड़ जाए तो भी पीछे नहीं हटेंगे। प्रदर्शनकारियों ने कहा है कि सरकार की मंशा नहीं सुथरी तो जेल भरो आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन करने वालों में सिकंदर बौद्ध, चंचल उस्मानी, अनिल कर्दम, कुसुमलता, आशु गौतम, सनी कुमार, रोबिन सिंह, राजकुमारी, मनीष, विवेक निमेश, आरपी सिंह, आनंद, विनोद निगम, शशि बौद्ध, उमेश मौर्य, रंजीत कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

अमर भारती में प्रकाशित समाचार, विचार, लेख अथवा विज्ञापन से यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो कृपया स्पष्टीकरण एवं सुझाव समूह सम्पादक की ईमेल- editor@amarbharti.com पर प्रेषित करें अथवा 9311222595 पर व्हाट्सएप करें।